

[श्री राम नरेश यादव]  
मांग रखीं। जो सारी मांगें रखी गई थीं मैं उनमें से कुछ मुख्य मांगें बता देना चाहता हूँ। पहली मांग तो यह थी कि हाथरस में जो फाईरिंग की घटना हुई उसकी सी०बी०आई० से जांच करवाई जाए। दूसरी जो मांग है कि जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा जिन लोगों की मौजूदगी में फाईरिंग हुई और जो आज भी उन अवांछनीय तत्वों की संरक्षण दे रहे हैं उनको वहां से हटाया जाए क्योंकि इनकी सारी साजिश से ही उन अवांछनीय तत्वों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हो पा रही है। उनके पास आज भी लाइसेंस हैं वे सस्पेंड नहीं किए जा रहे हैं इसलिए उनको निलंबित किया जाए और साथ ही साथ यह जो बृजमोहन और रवींद्र हैं इनके परिवार वालों को एक-एक लाख रुपये की सहायता दी जाए। साथ ही हाथरस शहर में जो बिजली और पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई है इस समस्या को हल करने की दिशा में भी कदम उठाये जाएं। यह मांग-पत्र दिया गया था तथा और भी बहुत सी बातें थीं। मैं सरकार से मांग करता हूँ कि इस घटना की सी०बी०आई० से जांच करवाई जाए और इन अधिकारियों को निलंबित किया जाए तथा उनका स्थानान्तरण वहां से किया जाए और मृतक परिवारों के लोगों को उनकी जीविका का सहारा देने के लिए, क्योंकि उनके परिवार में कोई विशेष सहायता करने वाला बचा नहीं है जो कि सहारा दे सके। उनकी बहुत दयनीय स्थिति है उन लोगों के घरों पर भी हम लोग गए थे जो कुरुण कहानी उनके परिवारों की है उसको मुत्ते के बाद और उनकी दशा देखने के बाद हृदय बहुत द्रवित हो जाता है, इसलिए मैं सरकार से मांग करता हूँ कि उन परिवारों के लोगों को उनके भविष्य की रक्षा करने के लिए एक-एक लाख रुपये की व्यवस्था कराई जाए और शिक्षा की तथा हर तरह की व्यवस्था करने का जिम्मा सरकार अपने ऊपर ले, यह मैं इस विशेष उल्लेख के माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ। धन्यवाद।

**Reported beating up of students (rom Bihar in Delhi Public School**

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह आहूवालिया (बिहार) : उप सभाध्यक्ष महोदय, मैं मथुरा

रोड पर स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल के अधिकारियों के खिलाफ सरकार का ध्यान आकषित करना चाहता हूँ कि इस स्कूल में 11वीं और 12वीं में पढ़ने वाले छात्रों में करीब 80 फीसदी संख्या बिहार से आने वाले छात्रों की है। गत 12 तारीख को जबकि उस स्कूल में ओल्ड स्टूडेंट्स का एक सम्मेलन मनाया जा रहा था, रात के वक्त एक फंक्शन किया जा रहा था, और उसमें कुछ बाहर से आए हुए छात्रों ने और कुछ पुराने छात्रों ने मिलकर और स्कूल के छात्रों ने मिल कर शराब पी रखी थी, स्कूल की यह अवस्था है और उन्होंने बोर्डिंग के अन्दर घुस कर एक-एक बिहारी छात्र को निकाल कर इसलिए मारा कि वह बिहारी है। इसकी शुरुआत उस दिन से होती है। उपसभाध्यक्ष महोदय, कि जब ये नए छात्र इस स्कूल में भर्ती होते हैं तो यह जो रैगिंग का एक फैशन चला रखा है, इस रैगिंग के नाम पर इन छात्रों को अशोभनीय और अनैतिक क्रियाएं करने के लिए मजबूर किया जाता है। बिहार के छात्रों ने इसका विरोध किया, जिस विरोध का आज उन्होंने बदला लिया। अभी जो 11वीं कक्षा में नए छात्र भर्ती हुए हैं बिहार से आए हुए छात्र, उनके साथ जो अशोभनीय व्यवहार हुआ उसकी रिपोर्ट प्रिंसिपल तक पहुंचाई जिसके कारण पांच सीनियर स्टूडेंट्स को सस्पेंड किया गया था इन्होंने उसका बदला लेने के लिए बोर्डिंग के कमरे में घुस-घुस कर, नाम पूछ कर, पता पूछ कर और वहां कुछ और नेपाली लड़के थे जिन्होंने यह परिचय कराया कि यह बिहारी है तो उनको मार कर जदमी किया गया। अभी भी वहां एक लड़का है विक्रम केडिया जिसकी कि भूजाली से कट जाने के कारण गले में करीब 8 स्विचेज हैं जो कि मूल चंद होस्पिटल में ट्रीटमेंट लेकर स्कूल के क्विनिन में पड़ा है। और दस लड़के अपनी जान बचाकर, किसी को चाकू लगा है, किसी को साइकिल की चेन लगी है, किसी को लाठियों से मारा है और वह दसों लड़के भागकर, अपनी जान बचाकर बिहार भवन में पिछले पांच-छह दिनों से रह रहे हैं।

उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यानाकर्षण करना चाहता

हैं कि यह दिल्ली शहर में दिल्ली पब्लिक स्कूल का नाम बहुत अच्छा जाना जाता था, किन्तु स्कूल के अंदर यह जो कार्यवाही हो रही है, वह अच्छी नहीं है। वहां पर एक सुप्रिटेण्डेंट हैं राजेन्द्र सिंह नाम के, जिनका व्यवहार छात्रों से बहुत ही खराब है और स्कूल में वह अपनी राजनीति लाकर कास्टिज्म और रीजनलिज्म को जन्म दे रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है कि उस स्कूल के बोर्डिंग के प्रीफैक्ट बिहारी हैं, वालीवाल की टीमे का केप्टन बिहारी है, कंपटीशन में अच्छे नंबर उनके आते हैं, इस कारण ईर्ष्या हो रही है और इनके साथ ऐसा व्यवहार हो रहा है।

उपसभाध्यक्ष महोदय, उन्होंने स्कूल की तरफ से एक जांच कमेटी बनाई है। पर उन छात्रों को और मुझे उस कमेटी पर कोई विश्वास नहीं है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि सरकार की तरफ से दिल्ली पब्लिक स्कूल की इस घटना की जूडिशियल इन्क्वायरी होनी चाहिए क्योंकि वहां इतने लड़के जखमी होने के बावजूद दिल्ली पब्लिक स्कूल की तरफ से कोई रिपोर्ट पुलिस में नहीं की गई है और ये लड़के जखमी होकर अभी भी पड़े हुए हैं। यह घटना तो एक न्यूज-पेपर ने सबको बताई, उसी के माध्यम से लोगों को पता लगा और लोगों ने हम तक पहुंचाई और हम सरकार तक पहुंचा रहे हैं। मैं डिमांड करता हूं कि इसकी जूडिशियल इन्क्वायरी हो और उसकी रिपोर्ट सदन के पटल पर विचार करने के लिए रखी जाय। धन्यवाद।

उपसभाध्यक्ष (श्री आनन्द शर्मा) :  
श्री आर० आर० साहू।

श्री राम अवधेश सिंह (बिहार) :  
उपसभाध्यक्ष महोदय, श्री अहलुवालिया जी ने जो विशेष उल्लेख दिया है, उसके समर्थन में मैं मांग करता हूं कि इसकी जांच हो। इस तरह की घटनाएं निश्चित रूप से आए दिन हुआ करती हैं और कुछ लोग हैं, जो मनमानी कर रहे हैं।...

उपसभाध्यक्ष (श्री आनन्द शर्मा) :  
राम अवधेश जी, साहू जी को बोलने दीजिए।

उसके बाद हाऊस की सेंस जो है, उसे सरकार तक पहुंचा दिया जाएगा।

श्री राजनी रंजन साहू (बिहार) :  
उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं श्री अहलुवालिया जी द्वारा उठाए गए विशेष उल्लेख का समर्थन करता हूं। साथ ही मैं यह कहना चाहता हूं कि यह बहुत ही दुःखद घटना है। देखा गया है कि इस तरह के स्कूल में, खास कर दिल्ली पब्लिक स्कूल की सभी शाखाओं में हमारे देश की संस्कृति, हमारे नेताओं की अभिलाषा के प्रतिकूल, गुरुकुल की परिकल्पना के परे एक घृणित वातावरण बनता जा रहा है। यह एक बड़ा ही खराब ट्रेंड है, यह इम-मेंटरियल है कि कितने बच्चों में मारपीट हुई, कौन पिटा और कौन पिटा रहेगा। जिन भावनाओं में प्रेरित होकर यह एक घटना घटी है, इससे सरकार को सचेष्ट होना चाहिए और सरकार को इस पर अपना वक्तव्य देना चाहिए कि इस घटना की जड़ में कौनसी बातें हैं और क्यों ऐसी घटना वहां घटी? आगे ऐसी घटना न घटे, इसके लिए मैं सरकार से आश्वासन चाहूंगा। साथ ही चाहूंगा कि दिल्ली पब्लिक स्कूल के कद को सरकार को छोटा करना चाहिए क्योंकि इसके जो संचालक हैं और जो अन्य व्यवस्थापक हैं, वे बच्चों को एक हारमोनी में रहने नहीं देना चाहते हैं। इसके लिए वे जिम्मेदार हैं।

अंत में मैं सरकार से यह मांग करता हूं कि जो दिल्ली पब्लिक स्कूल का वातावरण है, उसकी जांच करवाए और तत्काल दिल्ली पब्लिक स्कूल के संस्थापक पर कार्यवाही की जाय। धन्यवाद।

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Sir, it is quite unfortunate that the police was not allowed to file FIR by the Director and Principal. May I know from the hon. Minister to whom the memorandum has been given by the students to take necessary action? I also request that a judicial enquiry may be ordered and the report be submitted before this House.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ANAND SHARMA): The sense of the House will prevail.

श्री राम अवधेश सिंह : उपसभाध्यक्ष महोदय ...

उपसभाध्यक्ष (श्री आनंद शर्मा) : हम ने कह दिया कि हाउस का जो सेंस है वह सरकार तक पहुँचा दिया जाये। मैं अनुमति नहीं दे रहा हूँ, आप बैठ जाइए।

श्री राम अवधेश सिंह : महोदय, मेरी बात तो सुनी ही नहीं गयी। एक संसदीय समिति बनाकर उसकी जाँच करायी जाय। तीन चार एम०पी० लोग जाँच कर अपनी रिपोर्ट दें और सरकार इस पर कार्यवाही करे।

डा० अब्दुल अहमद खान (राजस्थान) : मैं भी श्री अहलुवालिया के उल्लेख से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

#### Strike by Technicians of Telecommunications Department

SHRI MANMOHAN MATHUR  
(Orissa) : Mr. Vice-Chairman, Sir,

L

thank you for giving me this opportunity to raise this matter of urgent public importance. Sir, the Bharatiya Telecommunication Technicians Union in support of their demands are on nation-wide agitation, 'Do or die battle' for justice from 26th July, 1988 in the form of work to rule 26th July to 9 August, 1988 and indefinite "tool down" from 10th August, 1988 causing in communication disturbances to the people in general and the consumers in particular.

The Bharatiya Telecommunication Technicians Union represents the entire 30,000 technicians and technical supervisors of the Telecommunication department of the country. The rapid changes in Telecommunication technology is being put into effect by physically installing and maintaining all sophisticated equipments by these people. They have been fighting for the last ten years in support of their demands especially for revision of pay scale.. Whenever their demands are put

forth before the authorities they tried to delay it by appointing various committees, for instance, Sarini Committee 1980. Indian Institute of Management, Bangalore, 1983. Khosla Committee, 1986 and Agarwal Committee during 1987, but without any concrete result. Even the Telecommunication technicians are denied the benefits which all the Central Government employees are enjoying from the 1st January, 1986 as per the recommendation of the Fourth Central Pay Commission. For this injustice these people have been agitating for the last 10 years wearing Mack badges demonstrating and performing extra work for two hours daily for 15 days during 1981. They have sit on relay fast, indefinite hunger fast and non-cooperation movement for 28 days in 1986; non-cooperation during 1987 and 21 days complete tool down during February-March, 1988. On 17-8-88, they organised a mass rally at Boat Club, New Delhi and submitted a memorandum to the Hon'ble Speaker of Lok Sabha.. All this results in a lot of hardship to the people and loss of crores of rupees to the nation. They have been assured by the department many a time and even have reached so many agreements in the presence of Deputy Chief Labour Commissioner and Chief Labour Commissioner on 5th August 1986, 10th November, 1986, 6th and 7th March, 1988. Even the hon. Minister, Shri Vasant Sathe assured on the floor of both the Houses of Parliament that the issue has already been settled and the workers are happy.

Sir, it is unfortunate that all these agreements and assurances of the Hon'ble Minister were dishonoured by the department. Sir, for all these reasons, in support of their demands, they are again on strike causing hardship to the public. Sir, I am afraid, if this issue is not settled and the strike is not called off, the whole system will collapse and the nation will be isolated from the Telecommunication service, especially the backward areas of my district Kalahandi in the State of Orissa where the telephone exchanges are manually operated. The same have started deteriorating and may result in total collapse.